बाल भारती पब्लिक स्कूल ,पीतमपुरा
साप्ताहिक पाठ योजना
कक्षा - सातवीं
विषय - हिंदी

सप्ताह - 14/12/20 से 18/12/20
उपविषय - रहीम के दोहे
अधिगम प्रतिफल
१) नैतिक मूल्यों का विकास होगा ।
२) छात्र यह समझ पाएँगे कि प्रकृति के विभिन्न उपादानों से हमें परोपकार की सीख मिलती है ।
३) विपत्ति के समय जो साथ दे वही सच्चा मित्र होता है ।
४) छात्र यह जान पाएँगे कि दैनिक क्रियाकलापों द्वारा हमें बहुत सीख मिलती है
५)शब्द भंडार में वृद्धि होगी एवं भाषा कौशल का विकास हो सकेगा ।
निर्देशात्मक सहायक सामग्री
नीचे दिए गए लिंक के द्वारा छात्र दोहों का अर्थ समझेंगे ।
https://youtu.be/NY3HsmFtHxs
पाठ परिवर्धन
कालांश -१

पाठ का सार

कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।

अर्थ - रहीम कहते हैं कि जब हमारे पास धन-संपत्ति होती है तो हमारे बहुत से मित्र और संबंधी बन जाते हैं परन्तु जो व्यक्ति संकट के समय सहायता करता है वही सच्चा मित्र होता है।

जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह॥

अर्थ - इस दोहे में कवि ने जल के प्रति मछली के गहरे प्रेम के बारे में बताया है। मछली जल से प्रेम करती है पर जल मछली से प्रेम नहीं करता। रहीम कहते हैं कि जब मछली पकड़ने के लिए जाल को जल में डाला जाता है तो मछलियों के प्रति मोह को छोड़कर जल शीघ्र ही जाल से बह जाता है लेकिन मछलियाँ जल के प्रति अपने प्रेम को नहीं खत्म कर पातीं। वे जल से अलग होते ही तड़प-तड़प कर मर जाती हैं।

तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियत न पान।
कहि रहीम परकाज हित, संपति-संचहि सुजान॥

अर्थ - वे कहते हैं कि जिस प्रकार वृक्ष स्वयं फल नहीं खाते हैं, सरोवर स्वयं पानी नहीं पीते ठीक उसी प्रकार सज्जन व्यक्ति धन का संचय खुद के लिए न करके परोपकार के लिए करते हैं।

थोथे बादर क्वार के, ज्यों रहीम घहरात।

धनी पुरुष निर्धन भए, करें पाछिली बात॥

अर्थ – इस दोहे में कवि ने क्वार मास के बादलों का वर्णन किया है। रहीम कहते हैं कि क्वार मास में आकाश में बिना पानी के खाली बादल केवल गरजते हैं बरसते नहीं ठीक उसी प्रकार धनी पुरुष गरीब हो जाने पर भी अपने सुख के दिनों की बातें याद करके घमंड भरी बातें बोलते रहते हैं।

धरती की-सी रीत है, सीत घाम औ मेह।
जैसी परे सो सहि रहे, त्यों रहीम यह देह॥

अर्थ – रहीम कहते हैं कि शरीर की झेलने की रीति धरती के समान होनी चाहिए। जिस प्रकार धरती सर्दी, गर्मी और वर्षा की विपरीत स्थितियों को सहन कर लेती है उसी प्रकार मनुष्य का शरीर भी ऐसा होना चाहिए जो जीवन में आने वाले सुख-दुःख की जैसी भी परिस्थितियाँ हों, उन्हें सहन कर ले।

कठिन शब्दों के अर्थ –

- संपति – धन
- सगे-संगे – संबंधी
- बनत – बनना
- बहुत – अनेक
- रीत – प्रकार
- विपत्ति – संकट
- कसौटी – परखने का पत्थर
- जे – जो
- कसे – घिसने पर
- तेई – वही
- साँचे – सच्चे
- मति – मित्र
- परे – पड़ने पर
- जात बहि – बाहर निकलना
- तजि – त्यागना
- मीनन – मछलियाँ
- मोह – लगाव
- नीर – पानी
- तऊ – तब भी
- छाँड़ति – छोड़ती है

- छोह – मोह
- तरुवर – पेड़
- नहिं – नहीं
- सरवर – तालाब
- पियत – पीना
- पान – पानी
- परकाज – दूसरों के कार्य
- हित – भलाई
- सचहिं – संचय करना
- सुजान – सज्जन व्यक्ति
- थोथे – जलरहित
- बादर – बादल
- घहरात – गड़गड़ाना
- भए – होना
- पाछिली – पिछली
- रीत – व्यवहार
- सीत – ठंड
- घाम – धूप
- औ – और
- मेह – बारिश
- जैसी परे – जैसी परिस्थिति
- सो – वह
- सहि – सहना
- देह – शरीर

क्रियाकलाप - कबीरदास जी के किन्ही दो दोहों को चित्र सहित लिखिए ।
कालांश -२

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) रहीम के दोहे' का मुख्य अभिप्राय है

(*i*) ईश्वर की भक्ति

(*ii*) नीति की बातें

(*iii*) वीरता का वर्णन

(*iv*) ईमानदारी की बातें

(ख) साँचा मीत किसे कहा गया है?

(*i*) विपत्ति की कसौटी पर खरा उतरनेवाला

(*ii*) सच बोलनेवाला

(*iii*) संपत्ति हड़पनेवाला

(*iv*) मिलनेवाला

(ग) जाल पड़ने पर पानी क्यों बह जाता है?

(*i*) आगे जाने के लिए

(*ii*) मछलियों का साथ निभाने के लिए

(*iii*) मछलियों से दूरी बनाने के लिए

(*iv*) मछलियों से सच्चा प्रेम न करने के लिए

(घ) क्या जल मछली से प्रेम करता है?

(*i*) हाँ

(*ii*) नहीं

(*iii*) पता नहीं

(*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ड़) पेड़ अपना फल स्वयं क्यों नहीं खाते हैं।

(*i*) क्योंकि उसे फल पसंद नहीं हैं।

(*ii*) क्योंकि वह खाना नहीं चाहते

(*iii*) क्योंकि वे परोपकारी होते हैं।

(*iv*) क्योंकि वे फल नहीं खाते।

(च) सज्जन संपत्ति क्यों जमा करते हैं?

(*i*) बुढ़ापे के लिए।

(*ii*) धनवान बनने के लिए

(*iii*) दूसरों की मदद के लिए

(*iv*) अपने बाल-बच्चों के लिए

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न १) जीवन में मित्रों की अधिकता कब होती है ?

प्रश्न २) जल को मछलियों से कोई प्रेम नहीं होता ' इसका क्या प्रमाण है ?
प्रश्न ३) सज्जन व्यक्तियों के संपत्ति संचय का क्या उद्देश्य होता है ?
प्रश्न ४) रहीम ने क्वार मास के बादलों को कैसा बताया है ?
प्रश्न ५) वृक्ष और सरोवर से हमें क्या शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए ?

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न १) रहीम जी मनुष्य को धरती से क्या सीख देना चाहते हैं ?
प्रश्न २)क्वार मास के बादलों की तुलना कवि ने किससे और क्यों की है ?
प्रश्न ३)वृक्ष और सरोवर किस प्रकार दूसरों की भलाई करते हैं ?
प्रश्न ४) रहीम के दोहों से हमें क्या सीख मिलती है ?

मूल्यांकन मौखिक चर्चा ,लिखित कार्य एवं गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा ।

BBPS,PITAMPURA